मेरी कोई नेक कमाई दर पे तेरे ले आई

मेरी कोई नेक कमाई दर पे तेरे ले आई,
तुमने भी किरपा करके पकड़ी है मेरी कलहाइ,
तूने मुझको अपनाया भूलो को मेरी भुलाया,
खुशियो से झोली मेरी भर दी वह रे कन्हाई,
मेरी कोई नेक कमाई दर पे तेरे ले आई

जीवन की दुशवार राहो में मेरा हाथ पकड़ा है तूने बन गया तू हम राही,
जब जब भटका जीवन पथ पर तूने मुझे सम्बाला बाबा मैंने मंजिल पाई,
शुक्रियां शुक्रिया है तेरा शुक्रिया,
तूने सांवरियां हम पे किरपा बरसाई,
मेरी कोई नेक कमाई दर पे तेरे ले आई

बन गए तेरी आंख के तारे छोड़ के दुनिया सारी श्यामा ये दिल तुझ पे वारा,
तू मेरा मैं तेरा सँवारे मैं हु तेरा प्रेमी कान्हा कहता है जग सारा,
शुक्रियां शुक्रिया है तेरा शुक्रिया,
प्रेमी को अपने तूने इजत दिलाई
मेरी कोई नेक कमाई दर पे तेरे ले आई

अब तो येही अर्जी तुमसे द्वार न तेरा छूटे श्यामा चाहे दुनिया रूठे,
टूट जाये दुनिया के बंधन झूठे रिश्ते झूठे दाता तुझ संग डोर न टूटे,
शुक्रियां शुक्रिया है तेरा शुक्रिया,
रोमी बस येहो कहता वाह रे कन्हाई,
मेरी कोई नेक कमाई दर पे तेरे ले आई

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5801/title/meri-koi-nek-kamaai-dar-pe-tere-le-aai-tumne-bhi-kirpa-karke-pakdi-hai-meri-kalhaai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |